बिहार सरकार

ऊर्जा विभाग

रौशन बिहार-विकसित बिहार

घर-घर फैले उजियारा-यही संकल्प हमारा

शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में बिजली के क्षेत्र में निरंतर सुधार

- जिला मुख्यालयों में 24 घंटे और गांव में 16-20 घंटे बिजली दी जा रही है।
- ट्रांसफार्मर जलने पर कम से कम समय में बदला जा रहा है।
- सभी गांवों में बिजली पहुंचाने हेतु व्यापक योजना स्वीकृत।
- पुराने जर्जर तारों को बदलने हेतु सघन अभियान-38 हजार कि.मी. तार बदला गया।

अन्य उपलब्धियां

- राज्य में बिजली उपलब्धता में व्यापक सुधार। वर्ष 2005 (800 मेगावाट औसत) की तुलना में माह अक्टूबर, 2013 में लगभग तिगुनी बिजली आपूर्ति राज्य में की गयी। राज्य में पहली बार 2300 मेगावाट से अधिक बिजली आपूर्ति दिवाली, छठ एवं मोहर्रम के अवसर पर की गयी, जिससे सभी जिलों को निर्बाद्ध बिजली मिली, इसे निरंतर बनाये रखने की कोशिश जारी है।
- संचरण एवं वितरण प्रणाली में व्यापक सुधार हेतु राज्य सरकार द्वारा स्पेशल प्लॉन के अंतर्गत ₹ 9,200 करोड़ की योजनाएं स्वीकृत तथा कार्य प्रारंभ।
- राज्य के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में पूर्णरूपेण ग्रामीण विद्युतीकरण का कार्य जारी। 11 जिलों में ₹ 3,662.19 करोड़ की योजनाओं का कार्य प्रारंभ एवं शेष 27 जिलों में ₹ 5220 करोड़ की राशि पर विद्युतीकरण हेतु कार्रवाई प्रारंभ।
- स्वीकृत योजनाओं में 300 पावर सब-स्टेशन बनाये जायेंगे तथा 997 पावर ट्रांसफार्मर लगाये जायेंगे। इसके अलावा 1,70,000 से अधिक वितरण ट्रांसफार्मर लगाये जायेंगे। घर-घर में बिजली पहुंचाने के लिए 7000 किलोमीटर 33 के.वी. लाईन, 92000 किलोमीटर 11 के.वी. लाईन एवं 1,15,000 किलोमीटर एल.टी. लाईन बनायी जायेगी।
- जले हुए/खराब ट्रांसफार्मरों को शहरी क्षेत्रों में 24 घंटे में एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 72 घंटे में बदलना सुनिश्चित। इसके लिए 15 ट्रांसफार्मर रिपेयर वर्क शॉप का निर्माण किया गया एवं प्रत्येक जिले में एक ट्रांसफार्मर रिपेयर वर्क शॉप की स्थापना की जा रही है।
- संचरण एवं वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए इस वर्ष 06 नये ग्रिड सब स्टेशन एवं 26 नये पावर सब स्टेशन का निर्माण। 107 नये पावर ट्रांसफार्मर एवं 997 नये वितरण ट्रांसफार्मर लगाये गये। 38,000 कि.मी. जर्जर एवं पुराने तारों को बदला गया। आर.ए.पी.डी.आर.पी. के तहत 64 शहरों में कार्य प्रारंभ। ए.डी.बी. सम्पोषित सात शहरों का कार्य प्रगति पर।
- उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए 3.5 लाख नये विद्युत कनेक शन दिये गये। 95 प्रतिशत से अधिक उपभोक्ताओं के यहां मीटर अधिष्ठापित। बिजली बिल भुगतान में सुविधा हेतु एटीएम तथा एटीपी मशीन, नेट बैंकिंग, मोबाईल बैंकिंग, मोबाईल बैंक तथा ग्रामीण बैंक में बिल जमा कराने की सुविधा प्रारंभ।
- वर्षों से बंद बिजली उत्पादन प्रारंभ करने के राज्य सरकार के प्रयासों को पहली सफलता। कांटी थर्मल पावर प्रोजेक्ट की 110 मेगावाट की एक इकाई का जीर्णोद्धार एवं नवीनीकरण कर बिजली उत्पादन प्रारंभ। 110 मेगावाट की दूसरी यूनिट का नवीनीकरण कार्य प्रगति पर। 195 मेगावाट की दो नई इकाईयों में निर्माण कार्य जारी।
- बरौनी थर्मल पावर प्रजेक्ट में 110 मेगावाट की दो इकाईयों का जीर्णोद्धार एवं नवीनीकरण कार्य प्रगति पर। राज्य सरकार के सघन प्रयासों से नई इकाईयों के लिए Tapering Coal Linkage मिला।
- नवीनगर स्टेज-I में 660 मेगावाट की तीन इकाईयों का निर्माण कार्य जारी। राज्य सरकार के लगातार प्रयासों से राज्य में अपना उत्पादन शुरू करने हेतु कोयला मंत्रालय से कोल ब्लॉक आवंटित। (1) चौसा, बक्सर में सतलज जल विद्युत निगम (2) पिरपैंती, भागलपुर में नेशनल हाइड्रो इलेक्ट्रीकल पावर कॉरपोरेशन एवं कजरा, लखीसराय में नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन के साथ थर्मल पावर प्रोजेक्ट की स्वीकृति दी गई जिस पर लगभग ₹ 27,000 करोड़ लगेंगे। बांका अल्ट्रामेगा पावर प्रोजेक्ट (लगभग 4000 मेगावाट) की स्थापना हेतु प्रस्ताव स्वीकृत। रजौली में न्यूकिलयर ऊर्जा प्रतिष्ठान (लगभग 2000 मेगावाट) की स्थापना हेतु प्रक्रिया प्रारंभ।